

टेडर हार्ट हाई स्कूल, सेक्टर - 33-बी, चण्डीगढ़

कक्षा - चौथी अध्यापिकाएँ - श्रीमती सुमन शर्मा

विषय - हिंदी साहित्य श्रीमती रीमा शर्मा

पाठ - 2 और 3 के भाषा तरु का कार्य

पाठ 2,3

भाषा तरु पाठ-2 पृष्ठ-13-14

पाठ-2 'वृक्षों का रक्षाबंधन' व पाठ-3 'बैठी पीठ पर'

सुप्रभात प्यारे बच्चों!

आपने पाठ-2 'वृक्षों का रक्षाबंधन' अच्छी तरह से पढ़ और समझ लिया होगा। आज हम पृष्ठ-13 पर दिया गया भाषा तरु का कार्य करेंगे।

1. सभी स्वर जब किसी व्यंजन के साथ जुड़ते हैं तो किस रूप में होते हैं? ----- मात्रा के रूप में।

'ऋ' स्वर की मात्रा वाले (c) पाँच शब्द लिखें:-

उत्तर (क) तृण (ख) कृष्ण (ग) भृग (घ) वृक्ष (ङ) गृह।

2. पाठ में आरु 'प्र' के शब्द चुनकर लिखें और तीन शब्द स्वयं भी लिखें - पाठ से - स्वयं - ।
बच्चों! यह जो कार्य मैं दे रही हूँ इसे करने के लिए आप पाँच मिनट का आंतराल लेंगे तथा फिर गरु कार्य को अपनी पुस्तक और हिंदी साहित्य की पुस्तिका में लिखेंगे।

3. रंगीन छपे शब्दों के विलोम लिखकर वाक्य पूरे करें-
(क) बच्चों के चेहरों पर कई उदासी — में बदल गई।
(ख) सुबह और — के तापमान में अंतर होता है।
(पृष्ठ-1)

कक्षा - चौथी अध्यापिकाएँ - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य श्रीमती रोमा रानी
पाठ - 2 और उनके भाषा तरु का कार्य

- (ग) नल के नीचे रखी खाली बाल्टी कुछही देर में — गई।
(घ) दूर उड़ रही चिड़िया छोटी लग रही थी। जब वह — आई
तो — दिखाई दी।

4. इनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखें -

- (क) वृक्ष (ख) त्यौहार (ग) मित्र (घ) धरती।

बच्चों! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हुआ। आशा है आपने यह दिया गया कार्य कर लिया होगा। अब मैं इनके उत्तर लिखने जा रही हूँ जो इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1 घृणा, कृपा, पृथ्वी, कृषक, पृष्ठ।

उत्तर 2 पाठ से - प्रभात, प्रांगण, प्रयास, प्रवेश
स्वयं - प्रकाश, प्रभाव, प्रति, प्रश्न

उत्तर 3 विलोम शब्द (रंगीन शब्दों के) -

- (क) खुशी (ख) शाम (ग) भर (घ) पास, बड़ी।

उत्तर 4 इनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखें -

वृक्ष	त्यौहार	मित्र	धरती
तरु	पर्व	सखा	धरा
पादप	उत्सव	दोस्त	पृथ्वी

बच्चों! अब मैं बृहत्कार्य आपको करने को दे रही हूँ। इस कार्य को अभ्यास-पुस्तिका में लिखें -

प्रश्न अपने प्रिय वृक्ष को पत्र लिखने का प्रयास करें।

माता-पिता का सहयोग बच्चों के कार्य करने में आवश्यक है। यहाँ पाठ-2 समाप्त हुआ। (पृष्ठ-2)

कक्षा - चौथी विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3 भाषातरु)
अध्यापिकाएँ - श्रीमती सुमन शर्मा, श्रीमती रोमारानी

पुस्तक - नवतरंग (भाग-4)

पाठ-3 (बैठी पीठ पर) पृष्ठ-22, 23, 24
भाषा तरु

आपने बच्चों! 'बैठी पीठ पर' पाठ ध्यान से पढ़ा और समझा होगा। मैं कामना करती हूँ कि सभी बच्चे प्रसन्नचित होकर इस कार्य की अपनी पुस्तक और अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

1. शब्द बनाएँ - (बहु - बहुत, बे - बिना)
 इस कार्य को सभी छात्र स्वयं करेंगे।

2. इनके स्त्रीलिंग शब्द लिखें -

महाराज - महारानी
 सेवक - सेविका

लेखक - लेखिका
 महोदय - महोदया

3. संकेत पढ़कर ऐसे शब्द लिखें, जिनमें क्ष/त्र/स/श्र
अवश्य हो -

(क) क्षमा - माफ़ (ख) नेत्र - आँख

(ग) आज्ञा - हुक्म (घ) श्रवण - सुनना

4. इनके विलोम लिखें -

विजय - पराजय

खोना - पाना

आगे बढ़ना - पीछे हटना

प्रसन्न - अप्रसन्न

माँगना - भुगतान, देना

अधूरा - पूरा

5. समझें और शब्द लिखें -

(क) महल (ख) हीरा (ग) पीठ (घ) दरबार।

(पृष्ठ-3)

कक्षा - चौथी विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3) भाषातरु
शिष्टिकारण - श्रीमती सुमन शर्मा, श्रीमती रेखा रानी

6. चित्रों की मदद से वाक्यांश चुनकर लिखें -

(क) ऊँट के मुँह में जीरा। (ख) बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। (ग) लाल-पीला होना। (घ) चार चाँद लगाना।

7. वाक्य पढ़ें। महाराज और तेनालीराम के लिए आरु शब्द चुनकर लिखें -

महाराज के लिए - उन्होंने, हम, आप।
तेनालीराम के लिए - तुम्हीं, मैं।

बच्चों! आप सबने यह कार्य ध्यान से अपनी पुस्तक पर कर लिया होगा। अब मैं आपको गृहकार्य करने को दूँगी, जिसे आप अपनी पुस्तक से अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य :- विद्यार्थी पाठ-2 और पाठ-3 के भाषा तरु का कार्य सुंदर लेख में लिखेंगे। जो कार्य कराया गया है उसे बोल-बोलकर लिखेंगे।

हिंदी का शब्द कोश लेकर पृष्ठ खोलेंगे और कोई भी दस शब्द अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे और याद करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-4)